PARIVARTAN
परिवर्तन

परिवर्तन पत्रिका

फ़रवरी 2026 अंक 11, खंड 9

समुदाय के लिए तक्षशिला की एक पहल

ग्राम एवं पो. नरेन्द्रपुर, प्रखण्ड: जीरादेई, जिला: सिवान-841 446 बिहार | मोबाइल : +91 8434170118 | Email : Info@parivartanbihar.org

किशोरियां कौशलपूर्ण हो रही हैं – इनकी कहानियां प्रेरणा का स्त्रोत है

परिवर्तन जागृति महिला समाख्या से जुड़ी महिलाओं के साथ वर्ष में एक बार एक बड़े स्तर के कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है जिसका नाम होता है नारी जुटान। इस वर्ष भी यह कार्यक्रम दिनांक 1 फ़रवरी 2026 को आयोजित हुआ। नारी जुटान का आयोजन शांतिपूर्वक और सफलता पूर्वक संपन्न हो गया। कार्यक्रम में 1165 महिलाओं और किशोरियों की उपस्थिति रही। इस बार की उपस्थिति की बड़ी विशेषता अन्य वर्षों की तुलना में बहुत अधिक संख्या में किशोरियों और नयी उम्र की महिलाओं की उपस्थिति रही। इस बार कार्यक्रम का थीम था "कौशल पूर्ण हो रही किशोरियां और उनकी कहानियां"। इस वर्ष सिवान जिले की कई किशोरियों ने अपने –अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है जिसकी चर्चा बड़े –बड़े मंचों पर हुई थी। हमारे अपने कार्यक्षेत्र की कई किशोरियों ने भी बीते वर्ष में कई उपलब्धियां हासिल की थीं जिसका उत्सव हमने इस वर्ष के नारी जुटान के कार्यक्रम में मनाया। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमारी किशोरी समूह की किशोरियों ने कई अलग –अलग प्रकार की प्रस्तुतियां पेश कीं । इसी कड़ी में एक प्रस्तुति पिछड़े वर्ग और अति पिछड़े वर्ग आवासीय विद्यालय भैंसाखल जीरादेई की छात्राओं की भी हुई।

नारी जुटान कार्यक्रम की शुरुआत साइकिल रेस से हुई। इस बार साइकिल रेस की विजेता लक्ष्मी देवी रहीं। लक्ष्मी की शादी पिछले वर्ष ही हुई है। वह संथू गाँव की रहने वाली है। वह कभी हमारी किशोरी समूह की नेतृत्वकर्ता किशोरी थी। वह पहले भी हमारी सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेती रही है। नारी जुटान में परिवर्तन के विभिन्न स्टाल को घूमते –देखते हुए जब महिलाओ का जत्था रंगमंडली के स्टाल पर पहुंचता है तो ये महिलाएं केवल दर्शक –श्रोता की भूमिका में नहीं रह पाती हैं। वे एक कलाकार के रूप में लोगों के सामने आ जाती हैं। इस बार भी ऐसा ही कुछ हुआ। कई महिलाओं और किशोरियों ने अपनी पसंद के गीत सुनाये।

मुक्ताकाश में जब नारी जुटान कार्यक्रम का मुख्य कार्यक्रम शुरू हुआ तो महिलाओं और किशोरियों का उत्साह देखने लायक था। इस बार मौसम भी महिलाओं के इस कार्यक्रम पर काफी मेहरबान रहा। हल्की गुनगुनी धुप और बीच में हल्की बहती ठंडी हवा के कारण दर्शक पूरे कार्यक्रम तक डटे रहे। इस बार में नाटक, गीत, भाषण और शुभ कामना सन्देश देने के लिए 50 से अधिक महिलाएं और किशोरियां मंच पर आईं और अपना प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यक्रम के समापन संबोधन से पूर्व साइकिल रेस की विजेता महिलाओं को साइकिल और अन्य पुरस्कार दिए गए।

मृदा स्वास्थ्य कि समझ उपज को कई गुना बढ़ा सकती है

कृषि क्षेत्र में निरंतर विकसित हो रही उन्नत तकनीको एवं वैज्ञानिक शोधों को किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से परिवर्तन द्वारा प्रत्येक वर्ष एक किसान मेले का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह कार्यक्रम दिनांक 13 फ़रवरी 2026 को परिवर्तन परिसर में आयोजित किया गया। इस वर्ष के मेले का विषय स्वस्थ मिट्टी समृद्ध खेती निर्धारित किया गया था जिसका मुख्य उद्देश्य मृदा स्वास्थ्य के महत्त्व को रेखांकित करना एवं किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करना था। किसान मेले में विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी रही। कुल 1235 किसानों के अतिरिक्त इस मेले में कुल 5 कृषि वैज्ञानिक, 65 अलग अलग कंपनियों के प्रतिष्ठान, 168 प्रतिष्ठान प्रतिभागी, 6 कृषि विभाग के पदाधिकारियों की भागीदारी रही। मेले की औपचारिक शुरुआत, डॉ एक के पुनिया, के.के. चौधरी, डॉ हसनैन, डॉ. जीतेंद्र प्रसाद एवं प्रगतिशील किसानो द्वारा हुई। इस अवसर पर वक्ताओं ने मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग मिट्टी - समृद्ध खेती विषय पर किसान वैज्ञानिक संवाद गोष्ठी आयोजित की गयी। इस गोष्ठी में विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी। जलवायु अनुकूल खेती विशेषज्ञ ने बदलते जलवायु परिदृश्य के अनुरूप फसल चयन एवं प्रबंधन तकनीकों की जानकारी दी। फसल विविधिकरण आय वृद्धि हेतु बहुफसली प्रणाली एवं दलहनी - तिलहनी फसलों के समावेशन पर बल दिया गया। जैविक खेती मृदा की उर्वरता बनाये रखने हेतु जैविक खाद एवं जैविक कीट रक्षकों के प्रबंधन एवं ड्रिप प्रणाली के साथ उर्वरकों के प्रभावी उपयोग जैसे अनेकों विषयों पर प्रकाश डाला गया। इस गोष्ठी में किसानों ने अपनी समस्याओं को सीधे वैज्ञानिको के समक्ष रखा तथा व्यावहारिक समाधान प्राप्त किये। मेले में विभिन्न कंपनियों के स्टाल लगाये गए थे जिसमें उन्नत एवं प्रमाणित बीज, फल एवं सब्जी पौध नर्सरी, जैविक उत्पाद एवं जैव उर्वरक, जल घुलनशील उर्वरक, कृषि यंत्र एवं उपकरण, लुध रक्षा कंपनी, कृषि बैंक, स्वयं सहायता समूह एवं संगठन आदि थे । किसान मेले के अवसर पर परिवर्तन FPO द्वारा आये हुए किसानों को मोटे अनाज संवा का खीर खिलाया गया। मेले में आये हुए किसानों ने कृषि जानकारी और नवाचार के साथ साथ कृषि इनपुट, पेड़ पौधे नर्सरी हाथ से बने उत्पाद आदि की खरीदारी की और लाभान्वित हुए। यह मेला किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, कृषि प्रसार अधिकारियों तथा विभिन्न कृषि प्रतिष्ठानों के बीच ज्ञान एवं

एवं जल संरक्षण की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। मेले के दौरान स्वस्थ उपयोग की जानकारी प्रदान की गयी। जल घुलनशील उर्वरक संतुलित पोषण तकनीकी आदान प्रदान का प्रभावी मंच साबित हुआ।

लड़कियों को मौका मिले तो वे आसमान छू सकती हैं

अलग अलग विषय को लेकर जागरूकता के लिए परिवर्तन रंगमंडली द्वारा समय समय पर नुक्कड़ का प्रदर्शन किया जाता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए दिनांक 17-20 फ़रवरी 2026 को चार दिवसीय नुक्कड़ प्रदर्शन का आयोजन स्थानीय आठ गाँवों में किया गया। इस बार के नुक्कड़ का विषय **शिक्षा** था। इसबार के प्रदर्शन में चाँद पर जाना है नाटक हुआ। यह नाटक लड़कियों की शिक्षा पर आधारित है। हम

अपने लड़कों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करते हैं लेकिन ज्यादातर अभिभावक लड़कियों को शादी तक ही पढ़ाना चाहते हैं जबकि लड़कियों के सपने भी आसमान छूने की है। हमें चाहिए कि उनके सपने पूरे करने में सहयोग करें। यह नाटक न सिर्फ शिक्षा की बात करता है बल्कि महिलाओं के साथ हो रहे भेदभाव पर भी प्रकाश डालता है। नुक्कड़ प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने अपने अपने हक़ अधिकार के विषय पर चर्चा किया और इस तरह के नाटकों को सभी गाँवों में प्रस्तुत करने का सुझाव भी दिया। इस संगीतमय नाटक को पुरुषों ने खूब सराहा। इस चार दिवसीय नुक्कड़ प्रदर्शन में कुल 8 गाँवों से

लगभग 1500 युवाओं, युवतियों और महिलाओं, पुरुषों ने दर्शक के रूप में भाग लिया एवं नाटक द्वारा दिए जा रहे सन्देश को अपने साथ लेकर गए।

एक पुस्तकालय अध्यक्ष के लिए पुस्तकालय के मूल तत्वों की समझ आवश्यक है

परिवर्तन प्रारम्भ से यह प्रयास कर रहा है कि विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों एवं बच्चों को किताबों से कैसे जोड़ा जाए। इसके लिए समय समय पर अलग अलग तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी मे वर्ष में एक बार पुस्तकालय को लेकर काम करने वाले देश के अलग अलग हिस्सों के लोगों के साथ पुस्तकालय उद्देश्य एवं अभ्यास कार्यशाला का आयोजन बुकवर्म संस्था गोवा एवं परिवर्तन के साझे समन्वयन में किया जाता है। इस वर्ष भी यह कार्यशाला दिनांक 17-21 फ़रवरी 2026 को परिवर्तन परिसर में आयोजित किया गया। यह एक आवासीय कार्यशाला थी जिसमें भारत के कुल 8 राज्यों की 13 संस्थाओं से

कुल 31 पुस्तकालय अध्यक्षों ने भाग लिया। इस कार्यशाला का सञ्चालन एवं प्रशिक्षण देने का काम बुक वर्म संस्था के कुल 3 कुशल प्रशिक्षकों द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान अलग अलग बिन्दुओं और गतिविधियों को शामिल किया गया जिसे पुस्तकालय में बच्चों के साथ किया जा सकता है। इन सभी बिंदुओं एवं गतिविधियों ने सभी प्रतिभागियों को नई सीख और समझ दी, जैसे पुस्तकालय क्यों जरुरी है ? एक अच्छे पुस्तकालय में क्या क्या होना चाहिए? बच्चों से हमारी बातचीत एवं गतिविधि करने कराने का तरीका कैसा होना चाहिए तथा किताबों से अलग अलग तरह की कितनी और कैसे गतिविधि की जा सकती है आदि? कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों को डेमो सेशन भी करके दिखाया गया। कार्यशाला के अंतिम दिन स्कूल के बच्चों के साथ पॉपअप लाइब्रेरी सेटअप करवाया गया एवं कार्यशाला के दौरान सीखे गए सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए बच्चों के साथ सत्र लेने का भी अभ्यास करवाया गया। कार्यशाला समाप्ति के बाद सभी प्रतिभागियों ने इसको एक नया अनुभव बताया एवं इस तरह अपनी पुस्तकों को शामिल करने की भी बात कही।

खेल में रूचि आ जाने से धीरे धीरे उसकी तकनीकी समझ भी बढ़ जाती है

फुटबॉल एवं कबड्डी खेल के प्रति बच्चों में रूचि एवं उत्साह पैदा करने के उद्देश्य से समय समय पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इसी उद्देश्य से दिनांक 8 फ़रवरी 2026 को समुदाय सत्र के बच्चों के ये खेल प्रतियोगिता का आयोजन अलग अलग गाँवों में किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों ने भाग लिया जिसमें बच्चों की संख्या 96 रही। इस प्रतियोगिता में गोंठी टीम विजेता एवं संथू टीम उपविजेता बनी। इसके अतिरिक्त सत्र से जुड़े बच्चों के साथ फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन दिनांक 21-22 फ़रवरी 2026 को परिवर्तन फुटबॉल खेल मैदान में किया गया। इस प्रतियोगिता में भी कुल 8 टीमों ने भाग लिया । अलग अलग दिन गाँव स्तर से यह मैच आयोजित होते हुए फाइनल मुकाबला संथू एवं मियां भटकन टीम के बीच परिवर्तन फुटबॉल खेल मैदान में हुआ। इस टूर्नामेंट में संथू विजेता एवं मियां भटकन उपविजेता बनी। इसी कड़ी में पुनः दिनांक 25-27 फ़रवरी 2026 को सत्र से जुड़े बच्चों के साथ कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन हुआ। इस टूर्नामेंट में भी कुल 8 टीमों ने भाग लिया। फाइनल के पहले के सभी मैच गाँव में खेले गए। फाइनल मुकाबला गोंठी एवं मियां भटकन, शर्मा टोला टीम के बीच उड़ान खेल मैदान में खेला गया जिसमें मियां भटकन, शर्मा टोला टीम विजेता बनी एवं गोंठी टीम उपविजेता बनी। सभी प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेने वाले सभी विजेता एवं उपविजेता टीमों को परिवर्तन की तरफ से मैडल एवं ट्राफी, कॉपी, कलम आदि देकर सम्मानित किया गया। गाँव के ग्रामीण दर्शकों ने परिवर्तन की इस पहल की सराहना की एवं इस तरह के आयोजन को लगातार जारी रखने की इच्छा भी जाहिर की।

करके सीखने का मौका, बच्चों को विज्ञान की प्रायोगिक समझ को विस्तार देता है

पिछले कई वर्षों से परिवर्तन का यह प्रयास रहा है कि विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों को विज्ञान विषय अंतर्गत प्रायोगिक विधा में शिक्षकों को व्यावहारिक प्रयोग करने के अनुकूल प्रशिक्षण दिया जाये और साथ ही साथ प्रयोग एवं परिक्षण प्रोजेक्ट बेस लर्निंग, हैंड्स ऑन एक्सपेरीमेंट तैयार करने के सभी पहलुओं एवं मानकों के साथ कक्षा में प्रदर्शन की स्किल को धार दिया जा सके। इससे विद्यालयों में विज्ञान शिक्षण पद्धति को रोचक, रचनात्मक एवं वैज्ञानिक सिद्धांतों की समझ के अनुकूल बनाया जा सके। इसी कड़ी में दिनांक 10-11 फ़रवरी 2026 को दो दिवसीय विज्ञान शिक्षण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया गया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में अगस्त्य अंतर्राष्ट्रीय संस्था के दो प्रशिक्षक सौरभ कुमार एवं राम अकबाल उपलब्ध रहे। इस प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान परिवर्तन कार्यक्षेत्र के कुल 16 विद्यालयों से 19 विज्ञान शिक्षकों ने भाग लिया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में विज्ञान विषय के दो टॉपिक,- ध्वनि और प्रकाश से विस्तृत प्रयोग तैयार किया गया साथ ही साथ इसके कांसेप्ट पर विस्तृत चर्चा भी हुयी। इसी कड़ी में विद्यालय स्तर पर विज्ञान के शिक्षक की सक्रियता को बढ़ाने एवं बच्चों को मंच देने के उद्देश्य से दिनांक 28 फ़रवरी 2026 को अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर अलग अलग कुल 5 विद्यालयों में मॉडल प्रयोग प्रदर्शन सह व्याख्यान कार्यक्रम का

आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मार्गदर्शन एवं सहयोगी के रूप में परिवर्तन संस्था ने योगदान किया तथा बाकी आयोजन विद्यालय प्रबंधन की तरफ से रहा। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यालयों में कुल 55 बच्चों द्वारा अलग अलग थीम पर आधारित मॉडल का प्रदर्शन किया गया एवं उसके बारे में विस्तार से बताया भी गया। इस पूरे कार्यक्रम का सञ्चालन स्थानीय विद्यालय के विज्ञान शिक्षकों द्वारा किया गया।

आने वाले प्रमुख कार्यक्रम

फिल्म प्रदर्शन (12 अप्रैल 2026): परिवर्तन द्वारा प्रत्येक

मुकाबला परिवर्तन फुटबॉल खेल मैदान मे होगा।

15 दिन पर दिखाए जाने वाले फिल्म की अगली प्रस्तुति तय तिथि पर परिवर्तन परिसर में होनी है।इस प्रस्तुति के दौरान बच्चों की रूचि की फिल्म दिखाई जाएगी जिसमे आप आस के गाँव एवं विद्यालय से बच्चे आकर भाग ले सकते हैं।

कबड्डी दोस्ताना मैच (12 अप्रैल 2026): कबड्डी कौशल को बढ़ावा देने एवं अन्य टीम के कौशल को समझने समझाने के उद्देश्य से कबड्डी दोस्ताना मैच का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा जिसमे परिवर्तन टीम एवं गडार टीम का आपसी मुकाबला परिवर्तन के उड़ान खेल मैदान मे होगा।

ग्राम स्तरीय महिला सशक्तिकरण कार्यशाला (14 मार्च 2026): जागृति महिला समाख्या के महिला समूह से जुड़ी महिलाओं के साथ इस कार्यशाला का आयोजन खरगीरामपुर में किया जायेगा।इस कार्यशाला में महिला सशक्तिकरण को लेकर बातचीत होगी एवं विभिन्न गतिविधि के माध्यम से उन्हें इस विषय पर जागरूक करने का प्रयास भी किया जायेगा।

फुटबॉल दोस्ताना मैच (19 अप्रैल 2026): फुटबॉल कौशल को बढ़ावा देने एवं अन्य टीम के कौशल को समझने समझाने के उद्देश्य से फुटबॉल दोस्ताना मैच का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा जिसमे परिवर्तन फुटबॉल टीम का एवं खेलो इंडिया स्माल सेंटर मैरवा के टीम का आपसी

नुक्कड़ प्रदर्शन (22-25 अप्रैल 2026): किशोरी शिक्षा विषय पर जागरूकता के चाँद पर जाना है नाटक कि प्रस्तुति अलग अलग कुल 4 विद्यालयों में किया जायेगा।नाट्य प्रस्तुति के बाद दर्शकों से नाटक में दिखाए गए दृश्य एवं समझ व् सन्देश को लेकर भी बात की जाएगी।

रणनीतिक समीक्षा बैठक (24-26 अप्रैल 2026): बीते एक वर्ष मे परिवर्तन द्वारा किये गए सभी कार्यों एवम आने वाले एक वर्ष के कार्य योजना को लेकर समीक्षा की जायेगी एवं रणनीति भी बनायी जाएगी ताकि तय योजना को सार्थक तरीके से संचालित करके उद्देश्यपूर्ण किया जा सके।

पोषण स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम (25 अप्रैल 2026): पोषण और स्वच्छता दो ऐसे विषय हैं जो व्यक्तिगत रूप से हरेक इंसान को प्रभावित करती है।इन दोनों विषयों पर जागरूकता को ध्यान रखते हुए परिवर्तन विज्ञानशाला उमंग एवं रंगमंच के साझा समन्वयन में इस कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय उच्च विद्यालय में किया जायेगा।

टीम बैठक (25 अप्रैल 2026): ये परिवर्तन सदस्यों का आपसी टीम बैठक होता है जिसे परिवर्तन में आयोजित किया जाता है।इस बैठक में परिवर्तन टीम आने वाले कार्यक्रम योजना पर बात करती है एवं आवश्यक रणनीति भी बनाती है।